रोम के पुराविदों को लगता है कि उन्हें रोमन सम्राट नीरो के थिएटर के अवशेष मिल गए हैं। पहली सदी में बने इस थिएटर का रोमन ग्रंथों में काफी उल्लेख तो मिलता है, पर यह किस जगह पर था, इसकी जानकारी नहीं थी। थिएटर का नाम नीरो क्लॉडिअस सीज़र ऑगस्टस जर्मैनिकस के नाम पर है, जिसने 54 ईस्वी से लेकर 68 इस्वी में अपनी मृत्यु तक रोम पर शासन किया था। वैटिकन सिटी के पूर्व में स्थित इस थिएटर की खोज को पुराविद् अभूतपूर्व बता रहे हैं। संभवतया यहीं पर नीरो कविता का अभ्यास करता था और संगीत कार्यक्रम आयोजित करता था। नीरो की मृत्यु हुए हजार साल से भी अधिक समय हो चुका है लेकिन अभी भी नीरो रोम के सबसे कुख्यात शासकों में से एक माना जाता है, जिस पर आरोप है कि, जब रोम जल रहा था उस समय वह वायलिन बजा रहा था। कहा जाता है कि, उस घटना के समय नीरो इसी थिएटर में था। उसके कुशासन व उसके राज में हुए दमन पर बहुत कुछ लिखा गया है। कहते हैं कि, उसने अपनी मां और दो पत्नियों की हत्या करवाई थी और रोम का खजाना अपनी शानो शौकत पर खर्च कर दिया था। लेकिन, उसे संगीत और कला के प्रेमी के रुप में भी याद किया जाता है। वह अपने थिएटर में अपनी कला का प्रदर्शन करता था। उसे सिथरा (सात तारों वाला वीणा जैसा वाद्य) बजाना बहुत पसंद था। लेकिन जब, सम्राट की सुरक्षा के लिए जिम्मेवार, प्रैटोरिअन गार्ड ने नीरो से अपना समर्थन वापस ले लिया तो, कथित रुप से उसने आत्महत्या कर ली। उसके आखिरी शब्द थे "मेरे भीतर कितना शानदार कलाकार मर रहा है।" हाल ही में मिले अवशेषों से शोधकर्ताओं को कई कलाकृतियाँ मिली हैं। इनमें सात अलंकृत मध्यकालीन ग्लास चैलिस (प्याले), जपमाला के मनके बनाने के लिए प्रयुक्त की जाने वाली हड्डियां, मिट्टी के बर्तन, ब्रेड बेक करने के बर्तन, सिक्के, हड्डी से बने कंघे व संगीत वाद्यों के कई अवशेष शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के उप मु.मंत्री ने प्र.मंत्री मोदी की खुलकर तारीफ की

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि, कभी भी प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के साथ भेदभाव नहीं किया, जिस बात की मांग की गई उसे पूरा किया

रायपुर, 14 सितम्बर। विरोधी दलों के नेता एक-दूसरे की सार्वजनिक मंचों से तारीफ करें ऐसे मौके बहुत ही कम आते हैं। छत्तीसगढ़ के लिए कई सौगत लेकर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने खुलकर तारीफ की। उन्होंने मंच से कहा कि पी.एम. मोदी ने राज्य के साथ कभी भेदभाव नहीं किया और जब जिस बात की मांग की गई उसे केंद्र सरकार की ओर से पूरा किया गया।

पी.एम. मोदी ने विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में गुरुवार को लगभग 6350 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने प्रधानमंत्री ने सिकल सेल रोग की जांच की गई आबादी के बीच एक लाख सिकल सेल परामर्श कार्डों का भी वितरण किया। इस दौरान मंच पर छत्तीसगढ़ सरकार के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी मौजूद थे। गर्मजोशी से पी.एम. मोदी का स्वागत करने के बाद उन्होंने खुलकर तारीफ भी की।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में गुरुवार को लगभग 6350 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।**
- **टी.एस सिंहदेव ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि, छत्तीसगढ़ की धरती पर श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी की अगवानी करने का अवसर मिला। छत्तीसगढ़ में सर आपका बहुत-बहुत स्वागत है। अब यही कामना है कि, राज्य को हमेशा आपका सहयोग इसी प्रकार से मिलता रहे।**
- **टी.एस. सिंहदेव की ओर से भेदभाव को नकारे जाने की बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दल केंद्र सरकार पर भेदभाव और परेशान किए जाने का आरोप लगाते रहे हैं।**

टी.एस. सिंहदेव ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ की धरती पर श्रद्धेय प्रधानमंत्री की अगुवानी का अवसर मिला। छत्तीसगढ़ में सर आपका बहुत-बहुत स्वागत है। आज आप देने आए हैं। बहुत सारी चीजें देते रहे हैं, और देते रहे हैं और भविष्य में भी मिलती रहेंगी ऐसा मेरा विश्वास है। सिकल सेल रोगियों को लेकर हुए काम को लेकर उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में हर 10 में से एक व्यक्ति सिकल सेल से ग्रसित है। ये आदिवासी और पिछड़े वर्ग के भी है। इनके लिए केंद्र सरकार की ओर से ध्यान आकर्षित करके जो काम हो रहा है, हमारे संविधान के संघीय ढांचे में केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में, राज्य अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सदैव काम करते रहा है।

टी.एस. सिंहदेव मंच से खुलकर कहा कि पी.एम. मोदी ने कभी राज्य सरकार के साथ भेदभाव नहीं किया और हर मांग पूरी की। उन्होंने कहा,मैं यह कहने से भी नहीं चूकना चाहूंगा कि मेरे अनुभव में मैंने भेदभाव महसूस नहीं किया। राज्य से, यदि हम लोगों ने काम किया और मांगा तो बतौर हक, बतौर साथी, केंद्र सरकार से कभी हाथ तंग नहीं रहे। मेरा विश्वास है कि इस देश को और प्रदेश को हम मिलकर आगे बढ़ाते रहेंगे। टी.एस. सिंहदेव की ओर से भेदभाव को नकारे जाने की बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस और विपक्ष के अन्य दल केंद्र सरकार पर भेदभाव और परेशान किए जाने का आरोप लगाते रहे हैं।

निपाह वायरस संक्रमण फैलने की आशंका

- **प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में एडवाइज़री जारी की तथा दक्षिण भारत से आने वालों पर विशेष निगरानी रखने को कहा है।**

जयपुर, 14 सितम्बर। केरल के कोझिकोड़ में निपाह वायरस के केस मिलने और मौत होने के बाद राजस्थान में अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसमें राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, जोन के संयुक्त निदेशकों और जिलों के सी.एम.एच.ओ. को जांच और ट्रीटमेंट के लिए हेल्थ वर्कर्स को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए है। साथ ही दक्षिण भारत खासकर उन राज्यों से जहां इस वायरस के केस मिल रहे हैं, वहां से आने वाले यात्रियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं संदिग्ध मामलों में तत्काल सैंपल लेकर स्वास्थ्य निदेशालय को सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के निदेशक की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार केरल के कोझिकोड़ में 5 संक्रमित केस मिलने और 2 मरीजों की मौत होने के बाद इसके फैलने का खतरा दूसरे राज्यों में बढ़ गया है। ऐसे में अगर कोई इस तरह के लक्षण वाला मरीज आता है तो उसके सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। डब्ल्यु.एच.ओ. के मुताबिक निपाह वायरस चमगादड़ और सूअर जैसे जानवरों से इंसानों में फैलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह वायरस एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार बुखार आना, सिरदर्द, कफ बनना, गले में खराश, सांस में तकलीफ और उल्टी होना इस वायरस से संक्रमित मरीज के सामान्य लक्षण है। वहीं गंभीर स्थिति वाले मरीज में दौरे पड़ना, कोमा में आना व दिमाग में सूजन आना भी इस रोग के लक्षण है।

'इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टालिन के पुत्र उदयनिधि ने सनातन की तुलना एच.आई.वी., कोविड और मलेरिया से की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ए. राजा ने हिन्दुत्व को समाज के लिए घातक बताया था।

भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के विधानसभा तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में इसको मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में भारत द्वारा जी-20 सम्मेलन सफलतापूर्वक करवाने की प्रशंसा की और लोगों से पूछा कि क्या उनका हृदय गर्व से भरा है या नहीं।

उन्होंने कहा, "देश ने औपनिवेशिक मानसिकता से निकलकर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है।"

उन्होंने मतदाताओं को याद दिलाया कि उन्होंने आवास, मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, टायलट, पेयजल, सड़कों और बिजली की गारंटियां पूरी करके दिखाई है।

भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के राष्ट्रपति बने

एक और भारतीय मूल के व्यक्ति ने किसी देश का सर्वोच्च पद ग्रहण कर भारत का नाम रोशन किया

- **सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने गुरुवार को थर्मन शनमुगरत्नम को सिंगापुर के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई**
- **साल 2001 में राजनीति में कदम रखने वाले थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा 70.4 फीसदी वोट हासिल किए। इस चुनाव में उन्होंने चीनी मूल के एन.जी कोक सॉन्ग और टैन किन लियान को मात दी थी।**

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। भारतवंशी अर्थशास्त्री थर्मन शनमुगरत्नम ने गुरुवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के नौवें राष्ट्रपति बन गए।

बता दें कि 154 साल पुराने महल इस्ताना में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतवंशी मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने इस्ताना में थर्मन शनमुगरत्नम को राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस्ताना राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय है।

इस्ताना में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री ली सीन लूंग, मंत्रिमंडल के सदस्य सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। 66 वर्षीय थर्मन शनमुगरत्नम ने हलीमा याकूब का स्थान लिया। हलीमा याकूब सिंगापुर की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और 13 सितंबर को उनका कार्यकाल समाप्त हो गया।

साल 2001 में राजनीति में कदम रखने वाले थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा 70.4 फीसदी वोट हासिल किए। इस चुनाव में उन्होंने चीनी मूल के एनजी कोक सॉन्ग और टैन किन लियान को मात दी थी। एनजी कोक सॉन्ग को महज 15.72 फीसदी, जबकि टैन किन लियान को 13.88 फीसदी वोट मिले।

सिंगापुरी वकील जेन इटोगी के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंधे थर्मन शनमुगरत्नम की एक बेटी और तीन बेटे हैं। राजनीति में आने से पहले थर्मन शनमुगरत्नम इकॉनॉमिस्ट थे और नौकरशाह के रूप में सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण से जुड़े थे। इसके अतिरिक्त थर्मन शनमुगरत्नम ने साल 2011 से 2019 तक उप प्रधानमंत्री का पद की जिम्मेदारी संभाली है।

मु.मंत्री गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हाजिर हुए। गहलोत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र में कहा गया कि सीआरपीसी की धारा 256 के तहत यदि मामले का वादी अदालत में हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट को इस आधार पर उन्हें बरी कर देना चाहिए। वहीं शेखावत की ओर से कहा गया कि यदि लंबे समय तक परिवादी अदालत में पेश नहीं हो तो इस धारा के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा बीती दो पेशियों से परिवादी अदालत में हाजिर हो रहे हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में सीएम गहलोत की ओर से उनके खिलाफ बयानबाजी करने पर आपराधिक मानहानि का परिवाद पेश किया है, जिस पर अदालत ने गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

सरकार ने संसद सत्र का एजेण्डा जारी किया

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। सरकार ने संसद के विशेष सत्र का एजेण्डा विपक्ष के सामने रख दिया है। आगाामी संसद सत्र में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा विधेयक भी पेश किया जाएगा।

ये विधेयक पारित होने के बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी करेगी। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक नामित कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री का नाम प्रधानमंत्री तय करेंगे।

इस बिल पर राज्यसभा में 10 अगस्त 2023 को चर्चा हुई थी। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि, सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है।

साल 2018 में चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर कई याचिकाएं दायर हुईं थीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील अनूप बरनवाल, सुप्रीम कोर्ट के वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी (ए.डी.आर.) ने कहा था कि, चुनाव आयुक्त के लिए फिलहाल अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है।

लैण्डिंग के वक्त रनवे पर फिसलकर प्लेन के दो टुकड़े हुये, आठ घायल

- **इस चार्टर्ड प्लेन में 2 क्रू मैंबर सहित कुल आठ लोग सवार थे, सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।**
- **डी.जी.सी.ए. ने बताया कि, जिस समय यह चार्टर्ड प्लेन उतर रहा था, उस समय मुंबई एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से विज़िबिलिटी बेहद कम, 700 मीटर थी।**

मुंबई, 14 सितम्बर। मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। यहां एक चार्टर्ड प्लेन लैण्डिंग के वक्त भारी बारिश की वजह से रनवे से फिसल गया। इस विमान में 6 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे। डी.जी.सी.ए. द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विशाखापत्तनम से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला वेंचर्स लियरजेट 45 विमान वीटी-डी.बी.एल. मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे 27 पर उतरते समय रनवे से फिसल गया। इस घटना के जारी हुये वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि, लैण्डिंग के वक्त फिसलते ही प्लेन के बीच से दो टुकड़े हो गये।

इस विमान में 6 यात्री और 2 क्रू मेंबर सवार थे। डी.जी.सी.ए. ने बताया कि, जिस समय यह चार्टर्ड प्लेन उतर रहा था, उस समय मुंबई एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से दृश्यता बेहद कम 700 मीटर थी। विमान में सवार सभी 8 लोगों के चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह विमान हादसा शाम 5 बजे के थोड़ी देर बाद हुआ। हादसे के बाद थोड़ी देर के लिए दोनों रनवे बंद कर दिए गए। शाम करीब 6.47 बजे एक रनवे पर ऑपरेशन वापस शुरू किए गए। मुंबई एयरपोर्ट ने एक बयान के जरिए बताया कि हादसा शाम पांच बजकर आठ मिनट पर हुई।

बयान में बताया गया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद ऑन ग्राउंड टीम साइट को क्लियर करने में जुट गई।

रूस के ब्लैक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूक्रेन पर हमले के बाद से महत्वपूर्ण युद्ध ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। रूस समर्थित क्रीमिया के गवर्नर ने कहा कि शिपयार्ड पर हुए हमले मे कम से कम 24 लोग घायल हुए।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि यूक्रेन ने एक साथ 10 क्रूज मिसाइलें दागीं और साथ ही रूस के युद्धपोत ब्लैकसी पर तीन ड्रोन से हमला किया। मॉस्को ने क्रीमिया पर सफल हमले की स्वीकारोक्ति तब की, जब स्थानीय नागरिकों ने विस्फोट और आग की फोटो पोस्ट की।

राजनयिक समाचारो में व्लादिमिर पुतिन ने पूर्वी रूस के अंतरिक्ष लांच केन्द्र कोस्टोक्री कॉस्मोड्रोम में उत्तरी कोरिया के नेता किम जोंग उनसे मुलाकात की।

उन दोनों ने फूलों के डिज़ायन वाले टेबल पर जाम टकराते हुए "अनिष्टकारी गुट" से क्रेमलिन के "पवित्र संघर्ष" के लिए दुआ की।

इस बैठक से दोनों के संबंधों मे एक नए युग का सूत्रपात हुआ है और अटकलें हैं कि उत्तरी कोरिया मॉस्को को और हथियार भेजेगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कोई सौदा हुआ या नहीं।

पश्चिमी अधिकारियों ने कहा कि रूस प्रतिबंधों को पार कर अपने मिसाइल उत्पादन को युद्ध के पहले के स्तर तक बढ़ा रहा है लेकिन यूक्रेन की तरह उसके पास भी गोला-बारूद की कमी हो रही है।

'दोषी ठहराये जा चुके सांसदों-विधायकों के चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक लगे'

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्याय मित्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि, जनप्रतिनिधि आम जन की भावनाओं और क्रियाकलापों का सामाजिक प्रतिनिधित्व करते हैं एक बार दोषी ठहराए जाने के बाद उस भावना और पवित्रता का पूर्णतः नाश हो जाता है

- **न्याय मित्र ने तर्क दिया है कि, सेवा में गलती करने पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की बर्खास्तगी होती है, उनको आजीवन सेवा से दूर कर दिया जाता है साथ ही उनके कई वेतन लाभ भी रोक दिये जाते हैं तो फिर विधायकों एवं सांसदों के साथ ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता।**

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक केस से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को सिर्फ छह साल के लिए नहीं बल्कि आजीवन चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्ति के बाद से यह उनकी 19वीं रिपोर्ट है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश होने वाली अपनी रिपोर्ट में हंसारिया ने कहा, "सांसद और विधायक आमजन की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक बार नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध करते हुए पाए जाने पर, उन्हें उस पद को संभालने से स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।"

हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सिविल सेवकों से संबंधित नियमों की ओर इशारा किया है, जो अनैतिक कार्यों से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रावधान करते हैं और केंद्रीय सतर्कता आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसे वैधानिक निकायों से संबंधित कानून का भी जिक्र किया है, जो ऐसे अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति को शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए स्पष्ट रूप से अयोग्य घोषित करते हैं।

हंसारिया की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है, अगर वैधानिक पद पर किसी भी दोषी अधिकारी या प्राधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकती है, तब तो यह स्पष्ट रूप से मनमाना है कि इसी तरह का दोषी व्यक्ति सजा की एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद फिर से देश या राज्यों के सर्वोच्च विधायी निकाय संसद या विधानसभा/विधानपरिषद में आकर बैठ सकता है। कानून निर्माताओं को ऐसे कानून के तहत पद संभालने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा पवित्र और अनुल्लंघनीय होना चाहिए।"

वकील स्नेहा कलिता के माध्यम से दायर रिपोर्ट में कहा गया है, "ऐसा कोई नेक्सस नहीं है कि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को कोई वैधानिक पद धारण करने से अयोग्य ठहराने के लिए कोई कानून बना सकता है, लेकिन कानून बनाने वाला व्यक्ति (सांसद-विधायक) अपने लिए केवल एक सीमित अवधि के लिए अयोग्यता का कानून बना सकता है।"

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर याचिका से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी, जो एक दोषी सांसद या विधायक को सिर्फ छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराती है। हंसारिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोषी सांसदों को छह साल के बाद फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति देना "स्पष्ट रूप से मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, जबकि संविधान का अनुच्छेद 14 समानता और कानूनों की समान सुरक्षा की गारंटी देता है।रिपोर्ट में विधायकों/सांसदों के खिलाफ लंबित मुकदमों के शीघ्र निपटान की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है और कहा गया है कि देश की विभिन्न निचली अदालतों में 5,175 मामले लंबित हैं। इनमें से 2,116 मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश (1,377) में हैं।

हाई कोर्ट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजय वशिष्ठ, त्रिभुवन दहिया, नमित कुमार, हरकेष मनुजा, अमन चौधरी, नरेश सिंह, हर्ष बुंगर, जगमोहन बंसल, दीपक मनचंदा और आलोक जैन।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जिन 7 जजों को पदोन्नत किया गया है, वे हैं- उमेश चन्द्र शर्मा, रेणु अग्रवाल, राम मनोहर नारायण मिश्रा, मयंक कुमार जैन, शिव शंकर प्रसाद, गजेन्द्र कुमार और नलिन कुमार श्रीवास्तव।

सचिन पायलट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति का सदस्य बनाया गया है, तो स्वाभाविक है कि, उनके समर्थकों में इस बात का जोश है कि, उनके नेता अब उनकी पैरवी आगे तक करेंगे और उसी पैरवी के दम पर वे उम्मीदवार बनने में सफल हो पाएंगे। यही कारण है कि, सचिन पायलट के विदेश दौरे से वापस आने के बाद उनके सिविल लाइन स्थित आवास पर टिकट चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 20 दिन बाद कभी भी आचार संहिता लग सकती है। इस बीच कांग्रेस ने अपनी कमेटियां बनाकर बैठकें शुरू कर दी हैं। टिकट वितरण के लिए स्क्रीनिंग कमेटी भी अपनी कार्यवाही कर रही है।

कांग्रेस कार्य समिति तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य बने पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट विदेश से लौटने के बाद सबसे पहले प्रियंका गांधी के निवाई दौर में शामिल हुए। उसके बाद से जयपुर में कांग्रेस की विभिन्न कमेटियों की बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं। सिविल लाइन्स स्थित उनके आवास पर रोजाना मिलने वालों की भीड़ के कारण सिविल लाइन्स में लंबा ट्रेफिक जाम भी लगा रहता है।

यूं तो राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य हैं, लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ इन दिनों सचिन पायलट के आवास पर ही नज़र आ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के बावजूद गोविंद सिंह डोटासरा के यहां लोग नज़र नहीं आ रहे हैं।

अभी दो दिन पहले सचिन पायलट ने अजमेर और भीलवाड़ा का दौरा किया, तब भी उनके साथ बड़े काफिले गए थे।

अजमेर और भीलवाड़ा के रास्ते में पायलट के स्वागत के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। अभी पायलट के आवास पर जो भीड़ जुट रही है, वह सिर्फ जयपुर की ही नहीं है। दौसा, करौली, टोंक, सवाई माधोपुर, अजमेर और नागौर से भी बड़ी संख्या में लोग पायलट से मिलने आ रहे और उनके आवास के पास लगी वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात व्यवस्थित करने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908